□□□□□□□ □□□ □□□□□□

कोलकाता□ पूर्वोत्तर भारत में बसे पर्वतीय राज्य मिजोरम की चुनावी तस्वीर सबसे अनूठी और दिलचस्प है□ भले ही मुख्यधारा की मीडिया में उसे खास तवज्जो नहीं मिल रही हो, वहां का चुनावी मॉडल □कदम आदर्श है□ चुनाव चाहे लोकसभा का हो या विधानसभा का, राज्य में कहीं भी ज्यादा बैनर और पोस्टर नहीं नजर आते□ इस बार के विधानसभा चुनाव भी अपवाद नहीं है□ चर्च चुनावी भ्रष्टाचार पर कड़ी निगाह रखता है□ चर्च का प्रतिनिधित्व करने वाले □क संगठन के बैनर तले ही तमाम राजनीतिक दलों की रैलियों का आयोजन किया जाता है□ किसी भी चुनाव से पहले चर्च पार्टियों और उम्मीदवारों के लि□ आचार संहिता तय कर देता है□ यही वजह है कि राज्य में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले नहीं के बराबर होते हैं□ यहां 25 नवंबर को मतदान होने है□

राज्य में चुनाव आयोग से ज्यादा असर मिजोरम पीपुल्स फोरम (□मपी□फ) का है□ यह राज्य के सबसे ब□ चर्च संगठन सीनॉड का प्रतिनिधि है□ हर बार की तरह इस बार भी □मपी□फ ने उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के लि□ 27 नियम बना□ है□ फोरम ने चेतावनी दी है कि अगर कोई राजनीतिक दल इन 27 में से किसी भी नियम का उल्लंघन करता है तो उसे अवैध घोषित किया जा सकता है□ चुनाव आयोग भी □मपी□फ के दिशानिर्देशों का समर्थन करता है□

मिजोरम के मुख्य चुनाव अधिकारी अश्विनी कुमार कहते हैं कि हमारा और □मपी□फ का मकसद समान है□ वह है मुक्त और निष्पक्ष चुनावों का आयोजन□ राज्य में कौन सी राजनीतिक पार्टी कब और कहां चुनावी रैली करेगी, यह फैसला भी □मपी□फ ही करता है□ संगठन ने उम्मीदवारों के घर-घर जाकर चुनाव प्रचार करने, सामुदायिक दावतों के आयोजन और प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के चरित्र पर अंगुली उठाने पर भी रोक लगा दी है□

राजनीतिक विश्लेषक वानलालुरेट कहते हैं कि यहां चुनावी माहौल देश के दूसरे हिस्सों से अलग होता है□ राजधानी आइजल में भी ज्यादा शोरगुल नहीं दिखाई देता□ कुछ लोगों को लगता है कि मिजोरम के चुनावी मॉडल को देश के दूसरे हिस्सों में लागू कर चुनाव खर्च को काफी कम किया जा सकता है□ लेकिन आइजल के पाछूंगा यूनिवर्सिटी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर लालथालमुआना को नहीं लगता कि यह मॉडल दूसरे हिस्सों में प्रभावी होगा□ वे कहते हैं कि किसी तटस्थ संगठन की देख-रेख में चलने वाले चुनाव अभियान का फायदा यह है कि मतदाताओं में पैसे बांटने के मामले सुनने को नहीं मिलते□ लेकिन यह मॉडल दूसरे राज्यों में काम नहीं करेगा□ वे कहते हैं कि राजनीति में धार्मिक संगठनों के हस्तेक्षप को दूसरे राज्यों में कोई भी राजनीतिक पार्टी स्वीकार नहीं करेगी□

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को उम्मीद है कि अबकी इन चुनावों में होने वाला मतदान प□ोसी त्रिपुरा के 90 फीसद मतदान का रिकार्ड तो□ देगा□ उनका कहना है कि राज्य का चुनावी माहौल देश के दूसरे हिस्सों के मुकाबले अलग है□ यहां आचार संहिता के उल्लंघन के इक्का-दुक्का मामले ही होते हैं□ मिजोरम में 1995 से ही शराबबंदी लागू है□ लेकिन हर चुनाव में यहां शराब भी □क प्रमुख मुद्दा बनती रही है□ उम्मीदवारों पर वोटरों को लुभाने के लि□ शराब बांटने के आरोप लगते रहे हैं□ शराबबंदी लागू होने के बाद प□ोसी असम से चोरी-छिपे पहुंचने वाली शराब कई गुनी ऊंची कीमत पर बिकती है□

मिजोरम में सत्तारु□ कांग्रेस राज्य में दोबारा सत्ता में आने के लि□ □□ी-चोटी का जोर लगा रही है तो तीन पार्टियों का गठजो□ अबकी उसे हटा कर सत्ता पर कब्जा जमाने का प्रयास कर रहा है□ कांग्रेस सरकार के अगुवा ललथनहवला अपनी सरकार के कामकाज के सहारे वोट मांग रहे हैं तो मिजोरम नेशनल फ्रंट (□म□न□फ), मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस और मारालैंड डेमोक्रेटिक फ्रंट वाला मिजोरम डेमोक्रेटिक □लायंस स्थानीय मुद्दों को अपने □जंडे में जगह देकर वोटरों को लुभाने की कोशिश कर रही है□ मिजोरम के मध्य में स्थित सरचिप विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री पीयू ललथनहवला □क बार फिर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं□ इस बार उनको विपक्षी मिजोरम डेमोक्रेटिक □लायंस (□मडी□) के उम्मीदवार सी लालरमजउवा से क□ी टक्कर मिल रही है□ ललथनहवला इस सीट से छह बार चुनाव जीत चुके हैं□

मिजोरम देश का अकेला ऐसा राज्य है जहां मतदाता सूची में भी महिलाओं की तादाद पुरुषों के मुकाबले ज्यादा है□ राज्य के लगभग 6.86 लाख वोटरों में से 3.49 लाख महिला□ं हैं और 3.36 लाख पुरुष□ राज्य में सरकारी नौकरियों में लगभग 47 हजार महिला□ं हैं□ यानी कुल कर्मचारियों का 35-40 फीसद□ मतदाता सूची में पुरुषों पर भारी होने के बावजूद मिजोरम की राजनीति में महिला□ं बेचारी ही हैं□ मिजोरम और देश के दूसरे राज्यों में भले कई असमानता□ं हों, □क चीज में वह बाकी राज्यों के बराबर है□ वह यह कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय तमाम राजनीतिक दल महिलाओं को टिकट देने में बेहद कंजूसी बरतते हैं□ यह हालत तब है जब सामाजिक जनजीवन में महिलाओं की भूमिका काफी अहम है□ अबकी विधानसभा की 40 सीटों के लि□ मैदान में उतरे 142 उम्मीदवारों में महज चार महिला□ं हैं□ बीते विधानसभा चुनावों में छह महिला उम्मीदवार मैदान में उतरी थी, लेकिन उनमें से कोई भी नहीं जीत सकी□ पिछले 25 साल में कोई भी महिला उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सकी है□

देश के दूसरे राज्यों के मुकाबले इस पर्वतीय राज्य के उम्मीदवारों की प्रोफाइल बेहतर है□ मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों के लि□ मैदान में उतरे 142 उम्मीदवारों में आधे से अधिक करो□पति हैं□ नेशनल इलेक्शन वाच की ओर से जारी आंक□ों के मुताबिक 142 उम्मीदवारों में 75 (53 फीसदी) करो□पति हैं□ उनमें से हर उम्मीदवारों के पास औसतन 2.31 करो□ रुप□ की संपत्ति है□ इनमें 68 फीसद उम्मीदवार ग्रेजु□ट हैं□ सबसे अहम बात यह है कि सिर्फ तीन उम्मीदवारों के खिलाफ ही आपराधिक मामले दर्ज हैं□ ऐसे में मिजोरम मॉडल पूरे देश के लि□ □क आदर्श साबित हो सकता है□